सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजयख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, जनवरी-फरवरी, 2017

यह कैसा विमोचन

'उसने न तो कोई पाप किया और न उसके मूँह से छल की कोई बात निकली। उसने गाली सुनते हुए गाली नहीं दी, दुख सहते हुए धमकियां नहीं दीं: पर अपने आप को उसके हाथ सौंप दिया जो धार्मिकता से न्याय करता है। उसने स्वयं अपनी ही देह में क्रूस पर हमारे पापों को उठा लिया, जिस से हम पाप के लिए मरें और धार्मिकता के लिए जीवन व्यतित करें; क्योंकि उसके घावों से तुम स्वस्थ हुए हो।' (1 पतरस 2:22-24)

परमेश्वर ने क्रूस पर हमारे लिए क्या हाँसिल किया है, हमें मालूम नहीं है। हम उनके सामर्थ को नहीं जानते है। किसी व्यक्ति के प्रति आप प्रेम रख सकते हो, मगर आप उसको छुडा नहीं पाओगे। आपके पास इतनी क्षमता या इतने पैसे नहीं हो सकते हैं। परमेश्वर आप के लिए मरे है। आपके पाप हमेशा के लिए माफ कर दिए जाएँ, इसलिए उन्होंने आप के लिए पीड़ा सहन की है। वह प्रेम मर गया है; कठोर पीड़ा सहन की है। वह प्रेम पाप

विमोचन... पृष्ठ 2 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

TV - Star Utsav

चैनल पर

हर ***रविवारसुबह 7:30 से 8:00*** *बजे*

नई शुरुआतों से भरपूर जीवन

नई शुरूआतों से जीवन भरा है। कुछ ऐसी शरुआतें है जो बिना हलचल मचाए चुपचाप दुनिया में प्रवेश करती हैं। कई अन्य ऐसी शुरूआतें है जिनका बड़ी धूमधाम से आहवान किया जाता है। नींव का पत्थर डलते है, झण्डे फहराते है और आनंदोस्तव मनाते हैं।

एक शिशु का जन्म, विवाह का दिन, एक नई फैक्टरी का उद्घाटन, एक नए जहाज का जल-प्रवेश, एक नई सरकार का राज्य उद्घाटन, इत्यादी अवसरों पर हम जश्न मनाते हैं।

दुनिया भर में हर एक के लिए नई शुरूआत तो नये साल का जन्म लेना है। विविध तरह से लोग उस समय उत्सव मनाते हैं और कोई भी इस से अनजान नहीं रह सकता। मगर लगभग सभी के लिए यह नये साल का नयापन बहुत जल्द ही गायब हो जाता है। हाँलाकि वो पुरानी समस्याएं अब भी मौजूद हैं; वह पुरानी बीमारी अब भी जिद से अड़ी है। पुराना गुस्सा अब भी भड़कता है, और वही मानसिक व्यथा कई लोगों के जीवन में छाई हुई है। मगर फिर भी हम नववर्ष को मनाना चाहते हैं। मगर सारे जश्न, आनंद और आह्लाद सचमुच तेजी से खत्म हो जाते हैं।

सारे झण्डों को और सजावटों को उतार देते हैं और जिन्दगी फिर उस पुरानी पिसाई पर लौट आती है। मेहमान चले गये, बर्तन वापस रख दिये गये, मगर आंसू रह जाते हैं।

प्रभु यीशु मसीह इन खोखले उत्सवों के बीच खड़े हो कर कहते हैं; 'मैं ही अलफा और ओमेगा हूँ। जो था, जो आनेवाला है और जो सर्वशक्तिमान है।' (प्रकाशितवाक्य 1:8) हाँ, जब हम अपने पापों के लिए पश्चाताप करके, प्रभु यीशु के साथ अपने जीवन का प्रारंभ करते और उनके शिष्य बन जाते हैं, अपने जीवन को एक महान और नया अर्थ मिल जाता है।

हमारे जीवन के, पहले भाग के दौरान वयस्क होने का बहाना करते है अठारह वर्ष का होने तक का भी इन्तजार नहीं कर पाते है। दूसरे भाग में, उस जवानी के दिनों में वापस लौटने की व्यर्थ इच्छा रखते है। ऐसे कितने लोग हैं जो सचमुच कहते है, 'मैं हंस नहीं सकता।' अन्य लोग कहते है: 'उदास जीवन से क्या फायदा है?' इसलिए कई लोगों को नया साल लगता है, सिर्फ और नई समस्यायें, नए तनाव और नई आशंकायें साथ लाने वाला है।

मसीह के बिना लोग कैसे जी पाते है यह समझना कठिन लगता है। उनका जीवन अन्धकार, धुधंलापन और असुरक्षित होने की भावना से भरा रहता है। अपने भाग्य पर भरोसा करने के सिद्धान्त को वे अपने जीवन में महत्व देते है। इससे उनका जीवन या तो उबाऊ रहता है या फिर अनदेखी दहशत से भरा रहता है।

मेरे नियमित पाठको में से ना जाने कितने लोगों ने बिना कोई शंका के, अपने पापों के लिए पश्चाताप करके, प्रभु यीशु मसीह को अपने जीवन भर का प्रभु बना लिया है। तब जीवन आपके लिए

सचमुच एक नई शुरुआत होगी। ऐसा जीवन जो लालच, लालसा और मालिन्य से मुक्त हो। प्रेम, सेवा भाव से भरा हुआ और बेखुदगरज हो। ऐसे जीवन में प्रभु यीशु आप को ले चलने वाले है। वह आपको नहीं कभी छोडेंगे और न कभी त्याग देंगे। यह उनकी प्रतिज्ञा का वचन है।

प्रभु यीशु मसीह कोई हठ धर्म सिद्धांत, या हवा का झोंका नहीं। अनुपात रहित ऊपर चढ़ा हुआ कोई ऐतिहासिक अस्तित्व नहीं जिसकी हम सिर्फ रीति-रिवाजों के कारण खुशामदी करते है। नहीं, वह एक महिमान्वित व्यक्ति है। वह ना सिर्फ हमारे पापों के लिए मरे है, मगर वह दुबारा जी उठे है कि मौत के डर से आप और मैं हमेशा के लिए मुक्ति पाये। जब हम प्रभु यीशु पर विश्वास करते हैं और अपने पापों को उनके चरणों पर ले आते है, और माँफी पाते है, जो नया जीवन वे देते हैं, हर एक नए दिन को रोमांचक बना देते हैं। कई ऐसी चीजें है जो वे आप को देना चाहता है और सिखाना चाहते है। इन सब से बढ़कर, वे आपके चरित्र को पिघलाकर ढालना चाहते है, ताकि आप उनकी तरह जीने लग जाओ। जब आपके जीवन यीशु में बसा हो, आप कह पाओगे, 'सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है।'

जितना ज्यादा मैं प्रभु का स्वाद चखता हूँ, एक चीज का मुझे निश्चित यकीन है: मैं बेजोड़ प्रेम और सौंदर्य के महासागर के सिर्फ किनारे पर ही हूँ। हर रोज बाइबल का अध्ययन करते समय, आप भी खुद एक नई संपत्ति को खोज पाओगे। उच्चतम खुशियों की ताजी प्रत्याशा, विजय और लोगों को जीतना, आपके दिल में उमडते रहेंगे। ऐसा व्यक्ति जो पूर्ण रूप से यीशु को समर्पित हो, वह अब सिर्फ उसका अस्तित्व नहीं, या फिर इधर-उधर बह कर जाना नहीं, बल्कि सिर्फ एक भरपूर जीवन।

नहीं मेरे प्रिय पाठक, प्रभु यीशु के बिना, कोई अन्त सुखद नहीं हो सकता। शायद आप जीवन संध्या की स्थिति में हों और ऐसा लगता है कि धीरे धीरे जीवन घट रहा हो या फिर कोई बीमारी आपकी सलामती को धमका रहा हो। आप यह जान लो, सब का अंत यीशु है। महिमा में आप के लिए तैयार स्थान आपको देने के लिए; ऊपर उस भवन में आप को ले चलने के लिए वह आप के पास ही है। कदाचित आपको लगे कि आप ने एक फीका, बदबूदार, गंदा विनाशकारी सेंध को छोड़ दिया है कि एक शानदार और बेमिसाल निवास में प्रवेश पाओ। दुनिया जबकि शंकाओं और खौफ से भरी है, मगर हम तो आनन्द और आशा से भरे है।

संजीवन की शक्तिशाली लहरों की आशीष के लिए प्रभु से माँगे और वह हमें उसे देंगे। प्रिय पाठक, मेरी यह आशा है कि आप भी संजीवन की इस आशीष में भागीदार बने और हमें दी गयी इस नित बढ़ती सेवा में, हम कई अन्य देशों में हम सवा करें।

आप सब को नववर्ष की शुभकामनायें भेजता हूँ जबकि आप का हृदय, विचार, रवैया और इरादे सचमुच नये हों। प्रभु यीशु आपके लिए ऐसा ही करें। - जोशुआ दानिएल।

विमोचन.. पृष्ठ 1 से

की किसी भी गहराई से आपको छुडाने में सक्षम है; बशर्ते आप उसके लिए तैयार हो। कैसा छुटकारा उन्होंने प्रदान किया है। अगर आप आध्यात्मिक चमत्कारों के कार्य करने, अपने मन को खोलने करने और शक्तिशाली बनाने की इन्तजार में हो, तो उसे परमेश्वर के वचन से भर लो, ना की खाली कचरे से।

हमारी इच्छाशक्ति तो कमजोर, अस्थिर और भरोसा करने लायक नहीं है। मगर वह आपको इससे बचायेंगे। वह आपकी इच्छाशक्ति को एक चट्टान की तरह बनायेंगे। आपकी इच्छा फिर शक्तिशाली बनेगी। 'आपका लाग-लपेट तो जंगली, अशुद्ध, बेकाबू, गलत-निर्देशित गलत जगह स्थापित, घातक और निरर्थक है। मगर आपके इन लगावों से भी छुडायें जाओगे।'

आपकी कल्पनाएं तो व्यर्थ, मूर्खता भरी और खाली हैं। उनमें आप अपने समय और जीवन को गँवा रहें हो। वह कल्पनायें तो कभी सफल नहीं होने वाली हैं। आप अपनी कल्पनाओं से भी छुडायें जा सकते है। आपके विचार जहरीले है। आपकी आत्मा का महा-याजक उसके बारे में जानता है और उससे बचाने के लिए उन्होंने पहले से उपाय तैयार कर रखा है। प्रार्थना के समय जो विचार आते है वे शक्तिशाली होते हैं। कितना गलत-निर्देशित आपकी याद्दाश्त है। लोग जो बुराई करते हैं सिर्फ वही उसे याद रहता है ना कि वह अच्छाई, जो लोग करते है। सैकड़ों अच्छी चीजें हम भूल

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBSMarg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

जाते हैं। मगर एक बुराई जो उन लोगों ने की हो उसे हम याद रख लेते हैं। कितनी भयानक यादें। हम कितने व्यर्थ लोग हैं! आपके आत्मा का बिशप इन सब से आपको मुक्त करने में सामर्थी है। क्या आप अपने आप को, उनकी देखभाल, निर्देशन और शिक्षण के आधीन रख रहे हो? उन्होंने परमेश्वर के साथ आपका मेलमिलाप किया है। क्या आप ऐसी स्थान पर पहुँच पाये हो जहाँ परमेश्वर का सामर्थ आप के साथ-साथ काम कर पायेगा? मसीह ने परमेश्वर के सामने हमें पुनः बहाल किया है कि उनका सामर्थ्य, प्रेम और माहिमा हम भी बाँट ले। अगर आप उस स्थान पर पहुँच जाओ तो महान प्रेम और सामर्थ्य आपमें से बह निकलेगा कि खोये हुए और अपने आप को नाश कर रहें लोगों को आप बचा पाओ। आप पवित्र बाइबल और परमेश्वर की सामर्थ को नहीं जानते है। बाइबल अध्ययन और प्रार्थना में जो लोग परमेश्वर के पास जाते है, वे एक दिन उनकी सर्वशक्तिमानता, सर्वशालीनता और पवित्रता में भागीदार बनेंगे। स्वर्ग का सौंदर्य आपके जीवन और उदाहरण में नजर आयेगा। और कई लोग बचाये जायेंगे।

- एन दानिएल।

निर्माण

'बुद्धिमान स्त्री अपना घर बनाती है, परन्तु मूर्ख स्त्री उसे आपने ही हाथों से उजाड़ देती है।' (नीतिवचन 14:1)

'यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है।' (नीतिवचन 9:10)

'मसीह ... परमेश्वर का ज्ञान है,' (कुरिन्थियों 1:24)

जो मसीह के हैं, उनके परिवारों के निर्माण में परमेश्वर संलग्न है। 'यदि घर को यहोवा ही न बनाए, तो बनाने वाले व्यर्थ परिश्रम करते हैं।' (भजन संहिता 127:1) 'वे जिनके मन शुद्ध हैं; वे परमेश्वर को देखेंगे।' (मत्ती 5:8) ऐसी स्त्री जिसके मन का प्रभु, मसीह है, वह अपने परिवार को प्रार्थना और विश्वास के साथ तैयार करेगी। तथापि, उसे पहले अपने आप को परमेश्वर का पवित्र मन्दिर बनाये, जहाँ वह वास कर पाये। 'क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो और परमेश्वर को स्वीकृत घर, जहाँ मसीह साथ रह पाये, ऐसे घर को बनाना कदापि आसान बात नहीं है। अगर ऐसा कर पाये, तो इस दुनिया में वह सब से उत्तम उपलब्धि होगी। अतएव हमारे जीवन काल के दौरान इन तीन चीजों का हमें निर्माण करना होगा:

1. मसीह में अपना जीवन।
2. मसीह वास करने योग्य एक घर।
3. और इस धरती पर परमेश्वर का राज्य।

- डि. दानिएल, 'बुद्धिमान स्त्री अपना पविवार बनाती है।'

कृपया, परमेश्वर मेरी 'मैं' को मिटाना।

हेलेन रोजावियेर, एक अफ्रीकी मिशनरी थी। वह आध्यात्मिक रूप से शुष्क और ठंडी महसूस कर रहती थी। इसका असर अक्सर व्यक्तिगत रिश्तों पर पड़ता था। और अब उसे बदलाव से हाथापाई करनी पड़ेगी। वह तनाव एक दिन बहुत बढ़ गया जब पवित्र आत्मा ने उसकी ही शिक्षा को, दूसरे को ताजा करने के लिए इस्तेमाल किया।

एक अफ्रीकी पादरी ने उसकी आध्यात्मिक जरूरत को देखा, वो उसे अपने गाँव में ले गये। उनकी पत्नी ने उसके लिए एक कमरा तैयार किया। वहाँ उन्हें अकेला छोडा गया। उपवास के साथ वह प्रार्थना करने लगी। हेलन परमेश्वर के मुँह को खोजने लगी। फिर भी उसे शान्ति ना मिली। रविवार देर रात में, पास्टरजी ने उसे आग के निकट बुलाया जहाँ वे और उनकी पत्नी बैठी थी। वहाँ उन लोगों ने प्रार्थना की और उनके इर्दगिर्द सन्नाटा छा गया। पास्टर ने गलातियों (2:20) पर बाइबल खोलकर पढ़ी। अपनी एड़ी से मिट्टी में 'I' लिखा। यह हमारे जीवन का दुश्मन 'मैं' है। स्वार्थ एक बड़ा दुश्मन है। आप के साथ मुसीबत यही है कि हम हेलेन को इतना ज्यादा देखते हैं कि आपमें यीशु को नहीं देख पा रहे हैं। 'मैं ने देखा कि आप कॉफी बहुत ज्यादा पीती हो।' उसने आगे कहा, 'मैं आप को सलाह देना चाहता हूँ कि हर एक बार जब आप कॉफी ठंडी होने के लिए इंतजार करती हो, तब आप अपने मन को परमेश्वर की ओर उठाकर प्रार्थना करो। उन्होंने पहली रेखा के ऊपर एक और रेखा खींच की '†' क्रूस का आकार बने। 'कृपया परमेश्वर, इस 'मैं' को मिटा दो।' वहाँ उस मिट्टी में क्रूस का वह पाठ था, 'मैं' से मिटा हुआ जीवन।

है एक, उद्धारकर्ता

<u>एक तालाश:</u>

सन 1972, नव वर्ष की पूर्वसंध्या थी। कीथ ग्रीन नामक उन्नीस साल के एक संगीतकार ने कुछ इस तरह लिखा:

<u>एक घर ढूंढ़ना होगा।</u>

"मेरी जड़े तो लटक रही हैं मगर मानो उनको पोषण नहीं मिल रहा है। मुझे इस जगह में जड़ें नहीं पकड़नी। मुझे एक घर तलाशना होगा। मुझे एक शांत जगह पर बसना होगा। अन्दर कुछ ऐसी जगह ढूँढनी होगी जहाँ संकट के समय, बचकर मैं आराम कर पाऊँ।

कृपया, यीशु! हर बीतते दिन के साथ मैं आपको और अधिक जान पा रहा हूँ। जिन निशानियों को आप मुझे दिखा रहे हो, पहचान पा रहा हूँ। आपका विशुद्ध जन्म आपको सारे मानवों में विशिष्ट बनाकर अलग करता है। मसीही जीवन यात्रा की सारी शृंखलों को मजबूत बनाता है – निशानियों को भेजना जारी रखो। खोया हुआ समझकर, मैं अपने आप पर विश्वास लगभग खो चुका था। 'तुम धन्य हो। स्वर्ग में स्थित, हे मेरे प्रिय पवित्र भाई!"

वो साल खत्म होने वाला था और यह उत्साही नौजवान मानो एक विशाल ग्रह के प्रचंड गुरुत्वाकर्षण की तरह, अपने अध्यात्मिक खोज की सूची में से लगभग सभी को आजमा चुका था, अब मुश्किल से एक दो बचे थे। - वह 'मसीही विज्ञान' धार्मिक मत में पला बढ़ा, आगे एक नए दर्शनशास्त्र को बनाया, मादक पदार्थों को आजमाया, पूर्वी देशों के रहस्यवाद, अदृश्य मनोगतपथ पर भी चलकर देखा। बाइबल समेत अनेक किताबों को भी जाँच चुका था। 'यीशु के प्रति उमंगी' लोगों ने उसे विश्वास के प्रति चुनौती दी थी – मसीही विश्वास से, जो पश्चाताप द्वारा विमोचन प्रक्रिया के द्वारा सृजनहार के साथ नाता बनाता है, इस पर वो चिड़चिड़ाता, और इस बात पर कि कैसे संपूर्ण बाइबल परमेश्वर का प्रेरित वचन हो सकता है!

आत्मा के मामलों में कीथ को एक गहरी प्यास रहती थी। अपने जीवन में, उन सब आदर्शों के बावजूद, उसकी जिन्दगी अंतर्विरोध से भरी थी। उन्नीसवें जन्मदिन के थोड़े ही दिनों बाद उसने लिखा कि वह और गहराई तक खोद रहा है। और उसे उस 'ठोस चट्टान की नींव' को खोजना है। जब मैं उस ठोस चट्टान तक पहुँचूगा, (अगर ऐसा कुछ है) तब मैं अपने दिल का बसेरा वहाँ बनाऊँगा। और शायद एक और ठोस आत्मा के साथ साझा करूँगा।' जब 1972 वर्ष का अंत होने वाला था, कीथ ने यह पहचान लिया कि हाल ही में जितने भी धार्मिक शिक्षण की पढ़ाई की है उन सब में, यीशु मसीह का व्यक्तित्व एक सूत्र के रूप में प्रकट होता है। कम से कम हर एक तो यही कहता है कि वे एक भला आदमी है। यीशु ने स्वयं अपने बारे में भला कहा है कि परमेश्वर तक पहुँचने का वो ही एक मात्र रास्ता है। उसने यीशु के साथ सीधा आमना-सामना कर निपटाने का निश्चय किया। वास्तव में वह कौन है ना जानते हुए ही उसने यीशु के लिए अपना हृदय खोल दिया। उसका परिणाम क्या होगा, इस बात से भी वह अनजान था। वह सिर्फ यह जानता था कि उसकी जरूरत गहरी है और उसने एक सरल प्रार्थना की।

16 दिसंबर 1972

यीशु, अधिकृत रूप से आप मुझ में प्रवेश करें, मैं आपका स्वागत करता हूँ। अब केवल कार्यवाही ही मुझ पर आपके प्रभाव को प्रकट करेगी। कीथ ने यीशु की ओर एक छोटा सा मगर ठोस कदम बढ़ाया है। उसे यकीन है कि उसने सही रास्ते पर कदम रखा है, हाँलाकि भविष्य को लेकर वह अनिश्चित है।

तुरन्त उसके बाद, कीथ ने एक क्रूस के लाकेट को पहनना शुरू करने का निश्चय किया। वह जल्द बेढंगी और बीहड़ प्रार्थना करने लगा। अपनी मायूसी को उस अनजान परमेश्वर के समने पेश करने लगा। अगर यीशु अपने कार्य करने में विफल होते तो उसे नहीं मालूम की वह आगे क्या करता। आखों से आँसू बहने लगे और उसका मन तीव्र इच्छा से भर गया, 'ओह यीशु, यीशु ... अगर आप सचमुच वास्तव हो, जो होने का दावा करते हो, आप सच में वहीं हो, कृपया मुझे साबित करके दिखाओ। मुझे मार्ग दिखाओ। असली होने का मुझे आप प्रमाण दो और मैं हमेशा के लिए आपकी सेवा करता रहूँगा।'

सन 1973 के आरंभ में, कीथ की मेलोडी नामक छब्बीस साल की एक यहूदी महिला से मुलाकात हुई। अब तक वह ऐसे खतरनाक स्थानों में भटक चुकी थी जैसे की मादक द्रव्य व्यसन, योग, ज्योतिष्य, मनोगत विज्ञान, बुद्ध धर्म, मन्त्र-तन्त्र और ध्यान समाधि आदि। युवा अवस्था से ही वह कुछ ऐसी चीजें जानने की भूखी थी जिनका वो खुद वर्णन नहीं कर पाती थी। मेलोडी हमेशा इसी एहसास के साथ रहती थी मानो उसने कुछ खो दिया है, कुछ ऐसी चीजों को पाने की तड़प से हमेशा रहती जो हमेशा टिकी रहें। प्रेमी से धोखा खाने पर वह एहसास और तीव्र हो गया।

फुर्तीला, साफदिली, ताजा खुला व्यवहार वाला कीथ, मेलोडी के जीवन में प्रगाढ़ता प्रतीति के साथ प्रवेश किया। पहली मुलाकात में कीथ ने उसके लिए एक गाना गाया जिस में उसने अपने मन की पुकार को व्यक्त किया। अपने ही मन में उठती कुछ ऐसे ही प्रश्नों को उसने गाने के रूप में गाया, जैसे कि, 'क्या मृत्यु जवाब है, या सिर्फ एक द्वार, जानता है कोई इस सवाल का हल?'

जब मेलोडी उसको पियानो बजाते देख रही थी, कीथ तल्लीन होकर बहुत ही सरलता से, मगर जोरदार शक्ति और भावुकता के साथ गा रहा था। माथे पर पसीने की बूंदे दिख रहीं है, मगर उसकी आवाज आत्मा को उत्तेजित

सत्य की परख!

'हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह और शान्ति मिले जिसने हमारे पापों के लिए अपने आप को दे दिया कि हमारे परमेश्वर और पिता के इच्छानुसार, हमें इस वर्तमान बुरे युग से छुड़ा ले।' (गलातियों 1:3-4..)

करती। मेलोडी इस से पहले ऐसी आवाज ना सुनी थी। केवल संगीत ही नहीं, मगर वह पूरी तरह पुरबल, सच्चाई और सरासर शक्ति के साथ वह पूरी तरह से निमग्न था।

कीथ और मेलोडी की आध्यात्मिक खोज एक साथ आगे बढ़ी। और उसमें 'यीशु के बारे में परखना' भी शामिल था। कीथ ने उसे भी एक क्रूस पहनने के लिए राजी किया, अपनी खोज में, दिलों के मिलने का एक ठोस प्रतीक। कीथ को यह आभास हुआ कि आपस में प्रेम के बाद एक गहरी प्रतिबद्धता के बगैर साथ रहना अच्छी बात नहीं। 1973 क्रिसमस के दिन उन दोनों की शादी हुई। उनकी शादी की रस्म तो जल्द और सादगी से संपन्न हुई। मगर कीथ ने यह निश्चित किया कि शादी की विधि यीशु के नाम से जरूर हो।

अगले साल के दौरान, इस नवदम्पति को मानो कोई अनजान स्थानों की तरह खींचा जा रहा हो। कुछ ऐसा जो उनको हमेशा के लिए बदल दे। मगर एक प्रश्न नहीं सुलझता - परमेश्वर को लेकर प्रश्न : क्या यीशु वास्तव में परमेश्वर है?

एक बार कीथ और मेलोडी ने प्रेरणापद उत्तेजना का अनुभव किया। कीथ के एक दोस्त ने कहा कि यीशु सारे पापों को हमेशा के लिए दूर कर सकते हैं। पूर्व और मनोगत धर्मों का उसने अध्ययन किया था, लेकिन यह इससे विपरीत था। कई पूर्वी धर्म यह सिखाते हैं कि आपका अगला जीवन पिछले जन्म की पवित्रता पर आधारित है। अच्छा कर्म करने से सुखी जीवन और बुरे कर्म का मतलब आपको कठिन समय का सामना करना होगा। मगर उसके दोस्त कहा था कि यीशु सारे पापों को मिटा सकते हैं ताकि बाद में उसके कर्ज को आपको अदा ना करना पड़े। कीथ ने निश्चय किया कि अब वे इस विचार को स्वीकारने के लिए तैयार हैं कि यीशु 'आपके कर्म को मिटाने में' समर्थ हैं। हाल ही में, एक ईसाई से अध्यात्मिक नए जन्म के बारे में बातें सुनकर, मेलोडी को इस बात को मानना पड़े कि पुनः साफ किया गया जीवन पाना जरूरी है और आध्यात्मिक रूप से दुबारा जन्म लेना अब संभव बात दिखने लगी। उनका वह उत्साह ज्यादा समय तक नहीं टिका। मुश्किलों के सामने आते ही वे पुरानी गलत आदतों में वापस लौट गये। कीथ और मेलोडी को जल्द यह एहसास हो गया कि वे अपने बल पर सफल नहीं हो पायेंगे – मगर क्या परमेश्वर से मदद मिलने से पहले, उनको जानना जरूरी है?

खोजः

सन 1975 के दौरान, चर्च में और बाइबल में कुछ दफा, कीथ और मेलोडी को, 'परमेश्वर के बारे में प्रश्न' का सामना करना पड़ा। उदाहरण स्वरूप इब्रानियों (1:8), 'परन्तु पुत्र के विषय में वह (परमेश्वर) कहता है, तेरा सिंहासन युग युग का है।'

कीथ और उसके दोस्त के बीच इन बातों को लेकर वाद-विवाद भी हुआ कि क्या बाईबल का वचन पूर्ण रूप से खरा और हर शब्द परमेश्वर से प्रेरित वचन है। उसका दोस्त यह दावा करता रहा कि पवित्र आत्मा ही सारे अनुवादों तथा व्याख्या का मूल स्रोत है। पवित्र आत्मा के उपस्थित होने का ज्ञान अचानक कीथ को भी आभास हुआ कि पवित्र आत्मा वह व्यक्तिगत वाहन है जिसके द्वारा पुत्र हमारे व्यक्तिगत जीवन में प्रवेश करते हैं।

एक दिन कीथ और मेलोडी ने एक बाइबल अध्ययन की सभा में शामिल हुए। जहाँ स्पष्ट रूप से सुसमाचार को प्रस्तुत किया गया। वक्ता ने इस विषय पर बात की कि परमेश्वर ने अपने इकलौते पुत्र को नीचे संसार में भेज दिया ताकि वह मनुष्यों के बीच जिये और पिता के पास आने का रास्ता दिखाये। मगर पिता से संबंध बनाये रखने के लिए उनको अपने पापों से शुद्ध किये जाने की जरूरत थी। इस कारण यीशु का क्रूस पर मरना ज़रूरी हो जाता है। परमेश्वर और दूसरों को दुख देते हुए उनके प्रति जो गलतियाँ की है उनके प्रायश्चित करने के लिए बलि के रूप में सिर्फ यीशु एक मात्र पर्याप्त, पवित्र है। इसलिए परमेश्वर सारे मानव जाति के लिए एक ही दफा यीशु को वह बलिदान बनने की इजाजत दी। आपको सिर्फ यीशु को स्वीकार करना होगा जब वक्ता ने अपना संदेश पूरा किया, उन्होंने पूछा कि ऐसा कोई है जो चाहता है कि यीशु उनके दिल में प्रवेश करे, और जो अपना सारा जीवन यीशु को सौपना चाहते हैं। वह अध्यात्मिक रूप से दुबारा जन्म लेना होगा। कीथ ने अपना हाथ ऊपर उठाया। मेलोडी अब भी प्रश्नों में उलझी थी। वह बाइबल पढ़ रही थी और उन पर मनन कर रही थी कुछ ऐसे तथ्य अपनी-अपनी जगह जड़ गये और पूरी बात सुलझ गयी। पहली बात तो, यीशु स्वयं एक यहूदी है और पूरी प्रारंभिक कलीसियाँ भी। उसने यह भी सीख लिया कि यीशु तीन सौ से भी अधिक, आनेवाले उद्धारक मसीहा को लेकर पुराने नियम की भविष्यवाणी को पूरा किया। और यह भी कि जितनी वह यीशु के निकट जाती, उसकी आत्मा उतना ही जीवित हो उठ रही थी। जितना अधिक वह अपना हृदय यीशु के लिए खोलती, उतना अधिक वह उत्साह और असली शान्ति का अनुभव करती।

जल्द ही मेलोडी के दिल की कामना पूरी हुई। यहूदी धर्म से नाता उसे मिल गया। यीशु के पीछे चलने के लिए अब उसे अपने धर्म - यहूदीपन को त्यागना नहीं होगा। उसे सिर्फ, यहूदियों को प्रतिज्ञा किया हुआ मसीहा के रूप में यीशु को स्वीकार करना होगा। इन सब का मतलब 'मसीही' होना 'यीशु के पीछे चलने वाला उनका अनुचर'। यह सब सिर्फ यही यथार्थ स्पष्ट कर रहा है। शुक्रवार की रात कीथ और मेलोडी जब बाइबल अध्ययन कक्षा में आये, मेलोडी के अन्दर संघर्ष चल रहा था – और फिर उसने भी हाथ ऊपर उठाया और प्रभु को स्वीकार किया और उनके पक्ष में रहने का निश्चय किया। उस रात जोरदार शान्ति से उसका दिल भर गया, ऐसी गहरी शान्ति जो उसने पहले कभी महसूस नहीं की थी।

कीथ और मेलोडी की खोज अब पूरी हुई और एक नई जिन्दगी की शुरुआत हुई। जल्द वे यह समझ पाये और विश्वास

कर पाये कि यीशु परमेश्वर है। यह साफ सच्चाई जो उन दोनों ने खोजी, व्यक्त करते हुए यह गीत लिखा:

है एक मुक्तिदाता
यीशु पुत्र इकलौता
अनमोल मेमना प्रभु का, मसीहा
पवित्र पावन।

धन्यवाद हे पिता
जो दिया दान-पुत्र ऐसा
काम त-माम हो धरा पर
अपना रू-ह छोड दिया।

यीशु मुक्तिदाता
नाम जो सब से ऊँचा
अनमोल मेमना प्रभु का, मसीहा
ओ जो वध हुआ।

जब मैं खडा रहूँ
निहारू उसके मुख को
तब मैं सेवा करूँ हमेशा
उस पवित्र स्वर्ग में।

उनकी खोज का ये परिणाम निकला, मेलोडी और कीथ ने जरूरतमन्द आत्माओं के लिए एक सेवा शिविर का प्रारंभ किया। उनके दिल में जो भी करने इच्छा रखते, वे वह करने लगे। फलस्वरूप 'लास्ट डे मिनिस्ट्रीस' (LDM) का जन्म हुआ। और कीथ एक शक्तिशाली नबुवत भरी वाणी बना। उनके प्रचार और संगीत के द्वारा हजारों ईसाइयों को अपने जीवन मे, परमेश्वर के साथ चलने की चुनौती दी गई। प्रभु यीशु मसीह को जाने उन सात सालों में कीथ एक धमाके की तरह सेवा की, और वेसा ही एक धमाके की तरह अचानक चल बसा।

<u>एक दाना</u>

1977 साल का अंत होने वाला था। कीथ, रात एक क्लब में संगीत बजा रहे थे। उस रात कीथ को देखकर मेलोडी को कछ अजीब सा महसूस हुआ। नये साल का उत्सव मानाया जा रहा था। सेवा में व्यस्त कीथ को मेलोडी देख रही थी। वह रात, उसकी याददाश्त में दागी गई।

तेज रोशनी से कीथ का चहरा दमक रहा है। आराधना में वह अपनी आत्मा को उड़ेल रहा था। उमड़ती भावनायें और दर्द भरी आँखों से वह गा रहा था। नजर ऊपर रोशनी की तरफ लगाए हुए था मानो वह परमेश्वर को देख रहा हो। वह पल मानो एक पवित्र या महत्वपूर्ण लम्हा हो और उस लम्हे में वो स्तंभित हुआ लगा रहा था। उसको देखते हुए मेलोडी के मन में एक अजीब एहसास गुज़र गया। एक विचार यूँ आकर चला गयाः कीथ ग्रीन – आप इस दुनिया में बहुत दिन रहने वाले नहीं हो ... वह आखिरी बार नहीं है, जब उसने ऐसा महसूस किया।

लगभग साढ़े चार साल बाद मेलोडी एक यादगार सभा में शामिल चर्च के सामने खड़ी है। तीन दिन पहले 28 जुलाई 1982 का दिन, कीथ और उसके दो बच्चों का एक दुखद विमान दुर्घटना में देहान्त हो गया। 'मैं जानती हूँ, कीथ जहाँ रहना ज्यादा पसन्द करते है वहीं पर है।', मेलोडी ने कहा। 'उनका दिल प्रभु से इतना भरा रहता – उसकी इतनी जलती इच्छा भी ये थी, वह यीशु के अति निकट रहे यहाँ तक कि उन्हें अपने जीवन की परवाह भी ना था!' मगर बच्चों की मृत्यु अप्रत्याशित थी। 'शायद उन्हें अपने पिताजी के साथ रहना था और परमेश्वर वह जानते थे,' उन्होंने कहा। 'वो उन लोगों को हवायी यात्रा पर ले गये – और वे हवा में आगे चलते रहे। ये मुझे समझ में तो नहीं आता, मगर मैं प्रभु पर भरोसा करती हूँ।'

श्रद्धांजलि सभा के एक दिन पहले ना जाने कहाँ से यह लफ्ज उसके मन में आये – 'गेहूं का दाना' बाइबल में इसे खोजने का प्रयास किया। यूहन्ना (12:24) से वह शब्द थेः 'जब तक गेहूं का दाना भूमि में पड़कर मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है, परन्तु यदि मर जाता है तो बहुत फल लाता है।' कीथ का जीवन एक छुड़ाया गया 'गेहूं का दाना' है। उसकी मृत्यु के द्वारा, पवित्र आत्मा दुनिया भर में लोगों से कह पाया - क्या आप वर्तमान समय के लिए ज्यादा जी रहे हो और शाश्वतता के लिए नहीं?

- मेलोडी ग्रीन, डेविड हेजार्ड के साथ, 'नो कॉमप्रमइजः दा लाइफ ऑफ कीथ

यीशु के धन्य वचन!

मत्ति (5:3-12)

3 धन्य हैं वे, जो मन के दीन हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

4 धन्य हैं वे, जो शोक करते हैं, क्योंकि वे शांति पाएंगे।

5 धन्य हैं वे, जो नम्र हैं, क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।

6 धन्य हैं वे जो धर्म के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किये जाएंगे।

7 धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं, क्योंकि उन पर दया की जाएगी।

8 धन्य हैं वे, जिन के मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे।

9 धन्य हैं वे, जो मेल करवाने वाले हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे।

10 धन्य हैं वे, जो धर्म के कारण सताए जाते हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

11 धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें, और सताएं और झूठ बोल बोलकर तुम्हरो विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें।

12 आनन्दित और मगन होना क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा फल है इसलिये कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहिले थे इसी रीति से सताया था॥